

वाराणसी में करूज, वाटर टैक्सी के बाद अब मल्लिगी रोप-वे की सुवधा

चर्चा में क्यों?

12 जुलाई, 2023 को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा ने बताया कि वाराणसी में जाम से नजिात दलाने के क्रम में गंगा में जलपरविहन को बढावा देने के लयि पहले करूज और वाटर टैक्सी के संचालन के बाद अब देश में पहली बार ट्रांसपोर्टेशन के लयि रोप-वे संचालन शुरू होने जा रहा है।

प्रमुख बढि

- पहले चरण में रोप-वे कैट स्टेशन से करीब चार कमी. की यात्रा कराएगा। दूसरे चरण में बीएचयू और सारनाथ की भी सैर का मौका मल्लिगा।
- पहले चरण में कैट से गोदौलया तक रोप-वे पर काम शुरू हो गया है, जसि दसिंबर 2024 तक पूरा कर लया जाएगा। गोदौलया तक रोप-वे का संचालन शुरू होने के बाद दूसरे चरण में चौक, मैदागनि, गोलगडडा से नमोघाट के आसपास तक एक लाइन दौड़ाई जाएगी।
- दूसरी लाइन नमोघाट से सारनाथ के बीच में होगी, जो आशापुर होती हुई जाएगी। वही, गोदौलया से तीसरी लाइन मदनपुरा, सोनारपुरा, ब्रॉडवे होटल, रवींद्रपुरी तथा रवदिस गेट होते हुए बीएचयू परसिर तक होगी।
- इनके अलावा, एक अन्य लाइन को घाटों से जोडने के लयि रवदिस घाट तक ले जाने की भी योजना है।
- वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट के अंतर्गत कैट से गोदौलया तक चार कमी. लंबे रूट पर पाँच स्टेशन होंगे। कैट स्टेशन के पास एक मनी होटल और लाकर रूम भी होगा। वशिवनाथ मंदरि दर्शन के लयि आने वाले पर्यटक सबसे ज्यादा इसी रूट से गोदौलया चौराहे तक जाते हैं। नरिमाण की जमिमेदारी वशिव समुद्रा को दी गई है।
- 18 माह में पूरा होने वाला रोप-वे प्रोजेक्ट देश का पहला प्रोजेक्ट है, जो शहरी परविहन का हसिसा होगा।
- प्रतिघंटे तीन हजार यात्रयिों को रोप-वे की केबल कार में सफर कराया जाएगा। रोप-वे में 228 केबनि होंगे। एक केबनि में 10 लोग सवार हो सकेंगे तथा 6.5 मीटर प्रतिसेकंड की रफ्तार से 17 मनिट में दूरी तय कर ली जाएगी।



